वर्ल्ड लेप्रोस्कोपी हॉस्पिटल

लेप्रोस्कोपी क्या है?

लैप्रोस्कोपी एक प्रकार की सर्जरी है। लैप्रोस्कोप नामक यन्त्र के माध्यम से पेट के अंदरूनी हिस्से की जांच को लैप्रोस्कोपी कहा जाता है। लैप्रोस्कोप एक दूरबीन-नुमा यन्त्र है जिसके एक छोर से प्रकाश नाभि के नीचे एक छोटे से चीरे के माध्यम से पारित किया जाता है। यह चिकित्सक को उदर गुहा में देखने और अंगों की जांच करने में सहायता करता है।

"खुली" सर्जरी में त्वचा में एक चीरा किया जाता है, अर्थात् पेट में चीरा लगाया जाता है जो कई इंच लम्बा हो सकता है। लैप्रोस्कोपी छोटे चीरों (आम तौर पर करीब 1/2 इंच लंबा) के उपयोग के द्वारा सर्जरी करने का एक तरीका है। ***लेप्रोस्कोपिक सर्जरी*** को कभी कभी "न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी" भी कहा जाता है।

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कैसे की जाती है?

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में ***लेप्रोस्कोप*** नामक एक विशेष उपकरण का प्रयोग होता है। लेप्रोस्कोप एक लंबा, पतला यंत्र होता है जिसे एक छोटे से चीरे के माध्यम से पेट में डाला जाता है। इसके साथ एक कैमरा जुड़ा होता है जो ***ओब्सटेट्रीशियन – गायनकोलोजिस्ट (OB-GYN)*** को एक इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर पेट और पेल्विक अंगों को देखने में सहायता करता है। यदि किसी समस्या का समाधान करने की आवश्यकता हो, तो अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन उपकरणों को आमतौर पर पेट में अतिरिक्त छोटे चीरों के माध्यम से डाला जाता है। इन्हें कभी कभी लेप्रोस्कोप के लिए बने एक ही चीरे के माध्यम से डाला जा सकता है। इस प्रकार की लेप्रोस्कोपी को "सिंगल साइट" लेप्रोस्कोपी कहा जाता है।

लेप्रोस्कोपी के क्या फायदे हैं?

लैप्रोस्कोपी कई फायदे हैं। खुले पेट की सर्जरी की तुलना में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद कम दर्द होता है, जिसमे बड़े चीरे, अस्पताल में रहने एवं स्वास्थ्य-लाभ के लिए लम्बा वक्त लगता है। लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से स्वास्थ्य-लाभ आम तौर पर खुला पेट की सर्जरी की तुलना में तेजी से होता है। छोटे चीरों कि इस्तेमाल से आपके घाव जल्दी भरते हैं एवं निशाँ छोटे रहते हैं। संक्रमण का खतरा भी खुला सर्जरी के साथ तुलना में कम होता है।

लेप्रोस्कोपी के साथ जुड़े जोखिम क्या हैं?

लैप्रोस्कोपी करने में खुली सर्जरी की तुलना में लंबा समय लग सकता है। लम्बे समय तक एनेसथीसिया के प्रभाव में रहने पर जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। कभी कभी जटिलताएं तुरंत नहीं दिखाई देती हैं, लेकिन सर्जरी के बाद कुछ दिनों से कुछ हफ्तों के बाद उत्पन्न होती है। लेप्रोस्कोपी के साथ होने वाली समस्याओं में निम्नलिखित समस्याएँ शामिल हैं:

- रक्त स्राव या चीरा साइटों पर हर्निया (ठीक से घाव न भरने की वजह से एक उभार)
- आंतरिक रक्तस्राव
- संक्रमण
- पेट, आंत, मूत्राशय, या ***मूत्रवाहिनी*** या अन्य अंगों में रक्त वाहिका को नुकसान

क्या मेरी लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में मेरे मूत्राशय में एक कैथेटर होगा?

अधिकांश रोगियों को सर्जरी के समय में एक कैथेटर डाला जाता है। इस कैथेटर को ऑपरेटिंग कमरे में या सर्जरी के बाद 6 से 12 घंटे के भीतर हटा दिया जाता है। कभी कभी कैथेटर को दोबारा डाला जाना चाहिए, क्योंकि रोगी मूत्र करने में असमर्थ होता है। यदि ऐसा होता है तो मूत्राशय को स्वस्थ होने का मौका देने के लिए कैथेटर को आमतौर पर 24 घंटे बाद हटा दिया जाता है।

क्या मेरी लेप्रोस्कोपी के साथ अन्य कोई सर्जरी भी की जा सकती है?

हाँ। कभी कभी दो प्रक्रियाओं के एक ही समय में निर्धारित किया जाता है। हिस्ट्रोस्कोपी अक्सर लेप्रोस्कोपी के साथ ही की जाती है। महिलाएँ भी अपनी गायनेकोलोजिक प्रक्रिया के साथ साथ एक और वैकल्पिक सर्जरी चुन सकती हैं। लिपोसक्शन, पित्ताशय की थैली हटाना और स्तन प्रत्यारोपण जैसी सर्जरी प्रक्रियाओं को साथ साथ पूर्ण किया जा चुका है।

किन शल्य प्रक्रियाओं के लिए लेप्रोस्कोपी का इस्तेमाल किया जा सकता है?

ट्यूबल नसबंदी **को** लेप्रोस्कोपी के द्वारा किया जा सकता है। लैप्रोस्कोपी एक प्रणाली है जिसके द्वारा ***हिस्ट्रेकटोमी*** भी की जा सकती है। एक लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी में गर्भाशय को शरीर के अंदर से अलग किया जाता है। यह पेट में छोटे चीरों के माध्यम से कई टुकड़ों में हटाया जा सकता है या योनि के माध्यम से एक ही बार में हटाया जा सकता है।

किन समस्याओं के निदान एवं इलाज के लिए लेप्रोस्कोपी का इस्तेमाल किया जा सकता है?

लैप्रोस्कोपी का ***जीर्ण पैल्विक दर्द, बांझपन,*** या एक पैल्विक मास जैसी समस्याओं के कारणों को खोजने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि कोई समस्या पायी जाती है, तो उसका अक्सर एक ही सर्जरी के दौरान इलाज किया जा सकता है। लैप्रोस्कोपी का निम्न मेडिकल स्थितियों के निदान एवं इलाज के लिए प्रयोग किया जाता है:

- ***एंडोमेट्रीओसिस*** -अगर आपको एंडोमेट्रीओसिस के संकेत एवं लक्षण दिखाई दे रहे हैं और दवाओं से कोई मदद नहीं मिली है, तो एक लेप्रोस्कोपी की सलाह दी जा सकती है। आपकी श्रोणि के अंदर देखने के लिए **एक** लेप्रोस्कोप का प्रयोग किया जा सकता है। एंडोमेट्रीओसिस टिशू पाए जाने पर उसे अक्सर एक ही प्रक्रिया के दौरान हटाया जा सकता है।
- ***फाइब्रॉइड*** - फाइब्रॉइड गर्भाशय के अंदर या के बाहर पैदा होने वाली उपज होती है। अधिकांश फाइब्रॉइड ***सौम्य*** (कैंसर रहित) होती हैं, लेकिन एक बहुत छोटी संख्या में ***घातक*** (कैंसर) हो सकती हैं। फाइब्रॉइड अत्यधिक दर्द या भारी रक्तस्राव का कारण बन सकता है। उन्हें हटाने के लिए कभी कभी लैप्रोस्कोपी का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- डिम्बग्रंथि ***पुटी*** -कुछ महिलाओं के अंडाशय पर पुटी उत्पन्न होती है। पुटी अक्सर इलाज के बिना ही चली जाती है। अगर नहीं, तो आपका OB-GYN उसे लेप्रोस्कोपी से हटाने की सलाह दे सकता है।
- ***अस्थानिक गर्भावस्था*** – लेप्रोस्कोपी का उपयोग अस्थानिक गर्भावस्था को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है।
- ***पेलविक फ्लोर विकार*** - लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का मूत्र***असंयम*** और ***श्रोणि अंग स्थानच्युति*** के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
- कैंसर - लेप्रोस्कोपी के उपयोग द्वारा कुछ प्रकार के कैंसर हटाए जा सकते हैं।

लेप्रोस्कोपी के दौरान किस प्रकार के दर्द निवारक का प्रयोग किया जाता है?

लैप्रोस्कोपी आमतौर पर ***सामान्य एनेसथीसिया*** के साथ की जाती है। **इस प्रकार की** एनेसथीसिया निद्रा उत्पन्न करती है। कुछ स्थितियों में सामान्य एनेसथीसिया के बजाय ***क्षेत्रीय एनेसथीसिया*** का प्रयोग किया जाता है। इस तरह की एनेसथीसिया आपके शरीर के किसी क्षेत्र में संवेदना को अवरुद्ध करती है - जिससे कोई दर्द महसूस ना हो।

प्रक्रिया के दौरान क्या होता है?

आपको एनेसथीसिया दिए जाने के बाद आपकी नाभि के नीचे या आपके पेट के एक अन्य क्षेत्र में एक छोटा सा चीरा किया जाता है। लेप्रोस्कोप को इस छोटे से चीरे के माध्यम से अन्दर डाला जाता है। प्रक्रिया के दौरान पेट एक गैस से भरा जाता है। गैस भरने के कारण पेल्विक प्रजनन अंगों को और अधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। लेप्रोस्कोप से जुड़ा एक कैमरा एक स्क्रीन पर पेल्विक अंगों को दिखाता है। शल्य उपकरणों के लिए पेट में अन्य छोटे चीरे बनाए जा सकते हैं। एक अन्य उपकरण को, जिसे गर्भाशय मेनिपुलेटर कहा जाता है, योनि और गर्भाशय ग्रीवा के माध्यम से गर्भाशय में डाला जा सकता है। इस उपकरण को पेल्विक अंगों को दृश्य में लाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

मुझे कब तक अस्पताल में रहना होगा?

किसी अन्य बीमारी या जटिलता के अभाव में एक स्वस्थ व्यक्ति की आउट-पेशेंट आधार पर जांच की जा सकती है। वे सर्जरी के दिन या एक दिन पहले आ सकते हैं। पित्त पथरी या हर्निया के लिए लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के बाद या तो सर्जरी के दिन या अगले दिन छुट्टी दे दी जा सकती है। और अधिक उन्नत प्रक्रियाओं के लिए अस्पताल में तीन से चार दिन रहना सामान्य होगा।

प्रक्रिया के बाद क्या होता है?

प्रक्रिया के बाद उपकरणों और ज्यादातर गैस को हटा दिया जाता है। छोटे चीरे बंद हो जाते हैं। आपको रिकवरी रूम में ले जाया जाएगा। आपको कुछ घंटों के लिए नींद महसूस होगी। आपको एनेसथीसिया से थोड़ी उबकाई आ सकती है। यदि आपकी आउट पेशेंट सर्जरी की गयी है, तो जब तक आप मदद के बिना खड़े न हो पाएं और अपना मूत्राशय खाली न कर पाएं, तब तक आपको रिकवरी रूम में रहने की जरूरत होगी। आपको घर तक छोड़ने के लिए **कोई** आपके साथ होना चाहिए। आप आमतौर पर उसी दिन घर जा सकते हैं। लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी जैसी जटिल प्रक्रिया के बाद अस्पताल में एक रात रहने की आवश्यकता हो सकती है।

मुझे रिकवरी के दौरान क्या उम्मीद करनी चाहिए?

प्रक्रिया के बाद कुछ दिनों के लिए आपको थकावट और कुछ परेशानी महसूस हो सकती है। आपके पेट और नाभि में किए गए चीरों के आसपास सूजन हो सकती है। सर्जरी के दौरान साँस लेने में मदद करने के लिए आपके गले में डाली गयी ट्यूब के कारण आपको गले में खराश महसूस हो सकती है। गले के लिए लोज़ेंज प्रयोग करें या नमक के गर्म पानी से गरारे करें। आपको अपने कंधे में या पीठ दर्द महसूस हो सकता हैं। **यह** दर्द प्रक्रिया के दौरान इस्तेमाल की गयी गैस की वजह से है जो थोड़ी सी पेट में बाकी रह जाती है। यह कुछ घंटों या दिनों के भीतर अपने आप ही दूर हो जाता है। दर्द और जी मिचलाना कुछ दिनों के बाद बंद नहीं हो या बढ़ जाये, तो आप तुरंत अपने OB-GYN से संपर्क करें।

लेप्रोस्कोपी के बाद मैं अपनी नियमित गतिविधियां फिर कब शुरू कर सकता हूँ?

आपका OB-GYN आपको वापस अपनी सामान्य गतिविधियां शुरू करने के लिए निर्देश देगा। लघु प्रक्रियाओं के लिए यह अक्सर सर्जरी के 1-2 दिनों के बाद होता है। **और** अधिक जटिल प्रक्रिया, जैसे हिस्ट्रेक्टोमी, के लिए ज्यादा समय लग सकता है। आपको थकावटपूर्ण गतिविधिओं या व्यायाम से दूर रहने के लिए कहा जा सकता है।

लेप्रोस्कोपी के बाद मुझे किन संकेतों या लक्षणों का ध्यान रखना चाहिए?

निम्नलिखित संकेत या लक्षण दिखाई देने पर अपने OB-GYN से तुरंत संपर्क करें:

- बुखार
- अत्यधिक दर्द हो या और गंभीर हो जाये
- योनि से अत्यधिक रक्तस्राव
- लाली, सूजन, या चीरे से बहाव
- बेहोशी
- अपना मूत्राशय खाली करने में असमर्थता

क्या मुझे पूर्णत: बिस्तर पर आराम करना है?

नहीं. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, इस पद्धति का लाभ यह है कि चीरों बहुत छोटे होते हैं, जिससे दर्द और हर्निया का खतरा कम हो जाता है। दर्द और एनेसथीसिया का प्रभाव कम होते ही आप चलनक्षम हो सकते हैं।

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के क्या जोखिम हैं?

- सामान्य एनेसथीसिया लेने के दौरान कुछ जोखिम हो सकते हैं।
- घावों में संक्रमण या रक्तस्राव की संभावना हो सकती है।
- पेट के अंग, ग्रंथियां, आंतें, या रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।
- खून का थक्का खून में प्रवेश कर सकता है, और फेफड़ों की धमनी में रुकावट पैदा कर सकता है।
- घाव के स्थल पर हर्निया उत्पन्न हो सकता है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

वर्ल्ड लेप्रोस्कोपी हॉस्पिटल

साइबर सिटी

गुडगाँव, इंडिया

फ़ोन: +९१९८११४१६८३८, ९८१११९१२७६८

ईमेल: contact@laparoscopyhospital.com

वेबसाइट: www.laparoscopyhospital.com